## संगोष्ठी की जानकारी

आज पूरे विश्व के औसत तापमान में बढ़त "ग्लोबल वार्मिंग" के कारण पृथ्वी के ध्रुवों पर हिमनद पिघल रहे हैं जिससे महासागरों के जल स्तर में वृद्धि हो रही है। यह वर्षा में क्षेत्रीय परिवर्तनों,गर्मी की लहरों जैसे अधिक लगातार चरम मौसम की घटनाओं और रेगिस्तानों के विस्तार पर भी प्रभाव डालता है। पृथ्वी का बढ़ता तापमान, आज एक वैश्विक समस्या बनकर विकराल रूप धारण कर चुका है। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की पांचवीं आकलन रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया, "यह बहुत संभावना है कि 20 वीं शताब्दी के मध्य से मानव प्रभाव ग्लोबल वार्मिंग का प्रमुख कारण रहा है"। जलवायु परिवर्तन में ग्लोबल वार्मिंग और इसके प्रभाव जैसे कि वर्षा में परिवर्तन और क्षेत्र द्वारा भिन्न होने वाले प्रभाव दोनों शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण भारत और पूर्वी एशिया में मानसून की अवधि में अत्यधिक आर्द्र या शुष्क घटनाएं, शीत और गर्मी लहरें की बढ़ती आवृत्ति, तेजी से वार्मिंग आर्कटिक, तूफान और आंधी से अधिकतम वर्षा और हवा की गति में परिवर्तन दिखाईदेता है। जबकि चरम मौसम में अप्रत्याशित, असामान्य, गंभीर या बेमौसम शामिल है । यह किसी भी खतरनाक मौसम संबंधी घटनाओं के साथ -साथ,गंभीर सामाजिक व्यवधान , सांस्कृतिक विरासत और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं या मानव जीवन के नुकसान की संभावना के साथ संदर्भित है। अत्यधिक तापमान जैसे गर्मी और ठंडी लहरें , उष्णकटिबंधीय चक्रवात, धूल भरी आंधी, भारी वर्षा और बाढ़ आदि विभिन्न प्रकार की अत्यधिक मौसम घटनाएं हैं। यह गंभीर मौसम की घटनाओं के प्रकार अक्षांश , ऊंचाई, स्थलाकृति और वायुमंडलीय स्थितियों के आधार पर भिन्न होते हैं। छोटे और मध्यम समय के पैमाने पर चरम सीमाओं की विश्वसनीय भविष्यवाणियों की आवश्यकता होती है। जो संभावित जोखिमों को कम करते हैं। मौसम और जलवायु चरम सीमाओं को समझना, मॉडलिंग करना और भविष्यवाणी करना जलवायु अनुसंधान की प्रगति वाले प्रमुख क्षेत्र के रूप में पहचाना जाता है।

रा.म.अ.मौ.पू.के. भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत मौसम और जलवायु मॉडलिंग में उत्कृष्टता का केंद्र है। रा. म. अ. मौ. पू. के. के पास वर्धित विश्वसनीयता और सटीकता के साथ नए और अनूठे अनुप्रयोगों के अनुसंधान , विकास और प्रदर्शन , उच्चतम ज्ञान स्तर बनाए रखते हुए , कौशल और तकनीकी आधार के माध्यम से भारत और पड़ोसी क्षेत्रों में उन्नत संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान प्रणाली विकसित करने का मिशन है। रा. म. अ. मौ. पू. कें., नोएडा "**अतिविषम मौसम और जलवायु**"पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य अत्यधिक मौसम और जलवायु की घटनाओं और इसके मॉडल पूर्वानुमान पर वैज्ञानिक चर्चा करना है। इस संगोष्ठी मे उष्णकटिबंधीय चक्रवात , भारी वर्षा/सूखा/बाढ़, गर्मी/ठंडी लहरें और कोहरा/वायु प्रदूषण जैसे विषयों पर चर्चा आमंत्रित विशेषज्ञ द्वारा और वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुतियाँ के माध्यम से किया जाएगा।